बपतिस्मा किसे दिया जाना चाहिए?

कई लोग जो बपतिस्मा लेने के लिए कहते हैं लेकिन बपतिस्मा लेने के लिए तैयार नहीं होते, और दूसरे बपतिस्मा लेने से इसलिए इन्कार करते हैं ज़्योंकि उन्हें लगता है कि जो बदलाव उनमें बपतिस्मा लेने के बाद आने चाहिए वे तो उनमें पहले से ही हैं।

बपतिस्मा लेने के लिए कोई कब तैयार होता है?

बारह-तेरह वर्ष से कम उम्र के किसी बच्चे द्वारा बपतिस्मा लेने की इच्छा करने पर बपतिस्मा देने वाले को परेशानी होती है। बाइबल में बपतिस्मा लेने के लिए उम्र का कोई नियम नहीं है। कुछ लोगों का कहना है कि बच्चों को बारह वर्ष की उम्र में बपतिस्मा देना चाहिए ज़्योंकि मन्दिर में जाने के समय यीशु भी बारह वर्ष का था (लूका 2:42)। उस समय उसने अपनी मां से कहा था, ''ज़्या तुम नहीं जानते थे, कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्य है?'' (लूका 2:49)।

परन्तु यीशु का बपतिस्मा बारह वर्ष की आयु में नहीं बल्कि अपनी सेवकाई आरज़्ज़ करने से थोड़ा पहले अर्थात तीस वर्ष की आयु में हुआ था (लूका 3:23)। नि:संदेह, इस बात में यीशु हमारा आदर्श नहीं है, ज़्योंकि उसे पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेने की आवश्यकता नहीं थी। उसे बपतिस्मा लेने के लिए आवश्यक बातें करने की जैसे परमेश्वर के वचन को सीखने (लूका 6:45), यीशु में विश्वास करने (यूहन्ना 8:24), पापों से मन फिराने (प्रेरितों 17:30) और यीशु का अंगीकार करने की (रोमियों 10:9, 10) ज़रूरत नहीं थी। यहां प्रश्न उम्र का नहीं बल्कि पूरी समझ, जिज़्मेदारी और इच्छा का है। बच्चों में परिपज़्वता अलग-अलग उम्र में आती है।

यह तय करने के लिए कि बपतिस्मा लेने वालों की तैयारी है या नहीं, कम से कम कुछ प्रश्न पूछे जाने आवश्यक हैं:

1. आप बपतिस्मा ज़्यों लेना चाहते हैं?
2. ज़्या आप पापी हैं? ज़्या आपको डर लगता है कि परमेश्वर आपको आपके पापों के कारण दण्ड देगा?
3. ज़्या आप मानते हैं कि आप अपने पापों के कारण परमेश्वर से दूर हैं?
4. यदि परमेश्वर अभी न्याय करे, तो वह आपको स्वर्ग में भेजेगा या नरक में?

5. आपको ज़्या लगता है कि परमेश्वर का व्यवहार आपके प्रति कैसा है? ज़्या आपको लगता है कि उसने आपके पापों के कारण आपसे अपना मुंह छुपा लिया है?
6. आप यीशु को ज़्या मानते हैं (यूहन्ना 8:24; रोमियों 10:9)?
7. यदि आज आपकी मृत्यु हो जाए, तो ज़्या आप पापी ही मरेंगे (यूहन्ना 8:21)?
8. मन फिराने को आप ज़्या समझते हैं?
9. यीशु ने आपके पापों की क्षमा के लिए ज़्या किया है (मत्ती 26:28)? आपके पाप क्षमा करके कौन धो डालता है (इब्रानियों 9:22; प्रकाशितवाक्य 1:5)? और कब धोता है?
10. बपतिस्मा लेने पर आपका जीवन इस समय के आपके जीवन से कैसे अलग हो गया?
11. अपने पापों की क्षमा पाने के लिए आपको ज़्या करना चाहिए?
12. बपतिस्मा लेकर, ज़्या आप अपना प्रभु यीशु को बनाएंगे? यीशु को अपना प्रभु बनाने से आप ज़्या समझते हैं?
13. बपतिस्मा लेकर आप किसकी कलीसिया में शामिल होंगे?
14. ज़्या आप नया जीवन आरम्भ करने के लिए तैयार हैं?

जो व्यक्ति यह मानता है कि वह एक पापी है वह यह भी विश्वास करता है कि अपने पापों के कारण वह परमेश्वर से दूर है। यदि वह यीशु को प्रभु और उद्धारकर्ता मानता है जिसका लहू उसके पापों को क्षमा कर सकता है तो वह यीशु के पीछे चलने के लिए अपना जीवन बदलने को भी तैयार है और यदि वह इस बात का अहसास करता है कि उसे परमेश्वर के साथ अपने सम्बन्ध सुधारने की आवश्यकता है तो वह बपतिस्मा लेने के लिए भी तैयार है। उसे यह समझना आवश्यक है कि उसके पाप क्षमा हो जाएंगे और वह परमेश्वर के साथ और साथी मसीहियों की संगति में आ जाएगा।

पहले ही बपतिस्मा ले लेने वाले के बारे में ज़्या विचार है?

कुछ लोग जो पहले ही बपतिस्मा ले चुके हैं मानते हैं कि उनका उद्धार हो गया है चाहे बपतिस्मा लेते समय उन्हें बपतिस्मे का अर्थ पता नहीं था। यदि बपतिस्मा लेते समय उन्हें परमेश्वर की इच्छा की समझ नहीं थी तो बाइबल के अनुसार बपतिस्मा लेने की उनकी आवश्यकता को देखने के लिए सहायता के लिए ये प्रश्न सहायक सिद्ध हो सकते हैं:

1. ज़्या आपका बपतिस्मा डुबकी से हुआ था?
2. बपतिस्मा लेने के समय आपकी उम्र कितनी थी?
3. ज़्या आप अपने आप ही बाइबल का अध्ययन कर रहे थे?
4. ज़्या बपतिस्मे के विषय में आपको आपकी कलीसिया में प्रचार और शिक्षा से पता चला था?
5. आपको किस डिनोमिनेशन (साम्प्रदायिक कलीसिया) के प्रचारक ने बपतिस्मा दिया था?

6. ज़्या आप किसी सुसमाचार की सभा के दौरान आगे गए थे ?
7. बताएं कि जब आप आगे गए थे तो ज़्या हुआ था ? ज़्या दूसरे लोगों ने आपके साथ प्रार्थना की थी ? ज़्या आपसे किसी ने यह प्रार्थना करने के लिए कहा था कि ''हे प्रभु मैं पापी हूं, मेरे पाप क्षमा कर दे'' ?
8. ज़्या आपने मण्डली के सामने ऐसा कोई अंगीकार किया था: ''मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा मेरे पाप क्षमा कर दिए हैं'' ? यदि किया था, तो ज़्या इसके बाद आपको लग रहा था कि आप बचाए गए हैं ?
9. ज़्या लोगों ने आपको उद्धार पाने के लिए बधाई देते हुए आपके साथ आनन्द किया था ? ऐसा उन्होंने कब किया था ?
10. जब आप मण्डली के सामने गए थे तो वहां प्रचारक ने आपकी आत्मिक स्थिति के बारे में ज़्या कहा था ?
11. इसके कितनी देर बाद आपने बपतिस्मा लिया था ?
12. आपने बपतिस्मा ज़्यों लिया था ?
13. इसकी तुलना आप बाइबल में बताए गए एक बपतिस्मे से कैसे करते हैं (इफिसियों 4:5) ?

हमारे बपतिस्मे की वैधता इस बात पर निर्भर नहीं है कि हमें बपतिस्मा कौन देता है ? यदि बपतिस्मा लेते समय हमें इसकी समझ है और हम वचनबद्धता से प्रभु के पास आते हैं तो हमारा बपतिस्मा मान्य है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमने वही एक बपतिस्मा लिया है (इफिसियों 4:5) जिसके बारे में बाइबल में बताया गया है। बहुत से लोगों पर पानी उंडेला गया, छिड़का गया या उन्हें पानी में डुबोया गया होगा जिसे बपतिस्मा *कहा जाता* है परन्तु उन्होंने वह एक बपतिस्मा नहीं लिया। जिन्होंने यह एक बपतिस्मा नहीं लिया उन्हें चाहिए कि वे अपने घमण्ड को छोड़कर परमेश्वर द्वारा बताए उस एक बपतिस्मे को स्वीकार करें।

जी. सी. ब्रिवर ने ठीक ही कहा है:

> इसलिए, हमारा निष्कर्ष है, *कि कोई भी जो पवित्र शास्त्र की शिक्षा के अनुसार कि उसे बपतिस्मा लेना चाहिए, बपतिस्मा लेता है, उसे यह पता होना चाहिए कि बपतिस्मा पापों की क्षमा या उद्धार के लिए एक शर्त थी। यदि उसे यह मालूम नहीं था, तो या तो उसे पढ़ने में गलती लगी है या किसी ने उसे गुमराह किया है।*[1]

पाद टिप्पणी

[1]जी. सी. ब्रिवर, *कंटेंडिंग फ़ॉर द फ़ेथ* (नैशविल्ले: गॉस्पल एडवोकेट कं. 1941) 175–76.